215वें सत्र के समापन पर सभापति का वक्तव्य

माननीय सदस्यगण,

राज्य सभा के 215वें सत्र का अवसान हो रहा है। यह सत्र 12 फरवरी, 2009 को माननीय राष्ट्रपति जी के दोनों सदनों के संयुक्त अभिभाषण से प्रारंभ हुआ था। अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के रूप में चर्चा की गई जो कि दो दिन तक और कुल मिलाकर साढ़े नौ घंटे से अधिक समय तक चली।

2009-10 के लिए अंतरिम रेल बजट और अंतरिम सामान्य बजट को क्रमशः 13 और 16 फरवरी, 2009 को सभा पटल पर रखा गया। अंतरिम रेल बजट और अंतरिम सामान्य बजट पर चर्चाएं तीन दिन से अधिक और लगभग 12 घंटे तक चलीं ।

मैंने महासचिव को सत्र के बारे में सांख्यिकी संबंधी सूचना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

मैं सभा के नेता, विपक्ष के नेता, विभिन्न पार्टियों और समूहों के नेताओं और सभी माननीय सदस्यों को अपना सहयोग प्रदान करके सभा की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

मैं उप सभापति, उपसभाध्यक्ष के पैनल के सदस्यों और सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी उनके द्वारा दी गई सहायता और सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ।

सत्र का अवसान होने से पूर्व, मैं आने वाले समस्त शुभ अवसरों के लिए आप सभी को अपनी शुभकामनाएं और बधाई देता हूँ।